चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 28 नवंबर 2026, अंक –404.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."



"विनम्रता महानता की पहली सीढ़ी है।"

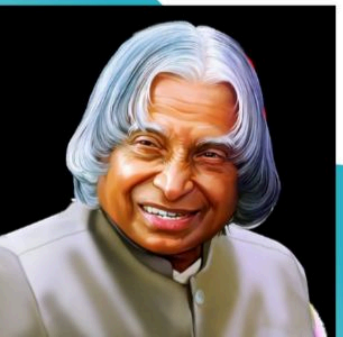

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार



अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Saturday Prayer

बिहार राज्य प्रार्थना

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे,
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे।

वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की,
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे।

मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक,
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे।

इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ,
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे।

आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम,
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे।

दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार,
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे।

जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार...!

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।



संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. दक्षिण अमेरिका के देश गुयाना की राजधानी क्या है?
उत्तर: जॉर्जटाउन।
प्रश्न 2. अटलांटिक महासागर को अकेले और बिना रुके हवाई जहाज से पार करने वाली पहली महिला कौन थीं?
उत्तर: अमेलिया ईयरहार्ट (1932)।
प्रश्न 3. महाराष्ट्र की प्रसिद्ध जनजातीय चित्रकला शैली क्या कहलाती है?
उत्तर: वारली चित्रकला।
प्रश्न 4. एक घन सेंटीमीटर में कितने मिलीलीटर द्रव होता है?
उत्तर: एक मिलीलीटर।
प्रश्न 5. बिहार की किस नदी को प्रायः 'बिहार का शोक' कहा जाता है?
उत्तर: कोसी नदी।
प्रश्न 6. कौन-सा पक्षी हर साल आर्कटिक क्षेत्र से अंटार्कटिक क्षेत्र तक लंबी प्रवास यात्रा करता है?
उत्तर: आर्कटिक टर्न।
प्रश्न 7. आधुनिक यांत्रिक डिशवॉशर का आविष्कार किसने किया था?
उत्तर: जोसेफिन कोक्रेन।
प्रश्न 8. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद नगरपालिकाओं में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और महिलाओं के लिए सीटों के आरक्षण का प्रावधान करता है?
उत्तर: अनुच्छेद 243T.
प्रश्न 9. जो जीव जल में रहता है, उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: जलचर।
प्रश्न 10. दिन में साफ मौसम होने पर आकाश नीला क्यों दिखाई देता है?
उत्तर: प्रकाश के प्रकीर्णन के कारण।

संकलन:-



पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1. Zoology - जूलॉजी - प्राणी विज्ञान
2. Botany - बॉटनी - वनस्पति विज्ञान
3. Microbiology - माइक्रोबायोलॉजी - सूक्ष्मजीव विज्ञान
4. Anatomy - एनाटॉमी - शरीर रचना विज्ञान
5. Physiology - फिजियोलॉजी - शरीर क्रिया विज्ञान
6. Genetics - जेनेटिक्स - आनुवंशिकी
7. Embryology - एम्ब्रियोलॉजी - भ्रूण विज्ञान



संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: "Why are they going to + V1?"
(वे ... क्यों करने वाले हैं?)
वे इस शहर में नया अस्पताल क्यों बनाने वाले हैं? – Why are they going to build a new hospital in this city?
वे विदेश क्यों जाने वाले हैं? – Why are they going to go abroad?
वे अपनी पुरानी कार क्यों बेचने वाले हैं? – Why are they going to sell their old car?
वे गाँव में पुस्तकालय क्यों खोलने वाले हैं? – Why are they going to open a library in the village?
वे बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रम क्यों आयोजित करने वाले हैं? – Why are they going to organise a special programme for children?



संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

अनुभाग-3

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रतिवर्ष 28 नवंबर को भारतीय समाज सुधारक और 'सत्यशोधक समाज' के संस्थापक महात्मा ज्योतिराव फुले की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में सामाजिक न्याय व समानता को समर्पित कौन-सा स्मृति दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: महात्मा ज्योतिबा फुले पुण्यतिथि (स्मृति दिवस)
व्याख्या: 28 नवंबर 1890 को महान समाज सुधारक, विचारक और वंचित वर्गों के मुक्तिदाता महात्मा ज्योतिराव गोविंदराव फुले का पुणे में महापरिनिर्वाण हुआ था। उन्होंने 1873 में 'सत्यशोधक समाज' की स्थापना कर जातिगत भेदभाव और अस्पृश्यता के विरुद्ध सशक्त आंदोलन चलाया तथा अपनी पत्नी सावित्रीबाई फुले के साथ मिलकर 1848 में पुणे के भिड़े वाड़ा में बालिकाओं के लिए भारत का प्रथम विद्यालय स्थापित किया। उन्होंने 'गुलामगिरी' (1873) और 'किसान का कोड़ा' जैसी कालजयी कृतियों के माध्यम से सामाजिक समता और स्त्री शिक्षा की नींव रखी।
संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 8 "महिलाएं, जाति एवं सुधार", p. 97–101;

प्र.2. हाल ही में भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा ग्रामीण सड़कों के रखरखाव और सभी मौसमों के अनुकूल संपर्क (All-weather Connectivity) को सुदृढ़ करने हेतु किस प्रमुख योजना के चौथे चरण (PMGSY-IV) के कार्यान्वयन को गति प्रदान की गई है? (समसामयिक घटना)
उत्तर: प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना - चतुर्थ चरण (PMGSY-IV)
व्याख्या: भारत सरकार द्वारा 'प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना' (PMGSY-IV) के चौथे चरण के अंतर्गत देश भर की 25,000 से अधिक असंबद्ध ग्रामीण बसावटों को बारहमासी सड़कों से जोड़ने के लिए लगभग 62,500 किलोमीटर नई ग्रामीण सड़कों और पुलों के निर्माण को गति दी गई है। इस चरण में विशेष रूप से दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों, आकांक्षी जिलों (Aspirational Districts) और बाढ़-प्रवण ग्रामीण इलाकों में जलवायु-अनुकूल एवं हरित प्रौद्योगिकी (जैसे प्लास्टिक कचरा और कोल्ड मिक्स तकनीक) से टिकाऊ सड़कों का निर्माण सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच सुगम हो रही है।
संदर्भ: Ministry of Rural Development (MoRD), Government of India Press Releases; PMGSY Official Portal;

प्र.3. आधुनिक हिंदी साहित्य में नई कविता और प्रयोगवाद के प्रवर्तक सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' द्वारा रचित वह कौन-सा मनोवैज्ञानिक उपन्यास है, जो एक क्रांतिकारी युवा के जीवन-दर्शन, विद्रोह और आत्म-अन्वेषण पर आधारित है? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: शेखर: एक जीवनी (दो भाग - 1941 व 1944)
व्याख्या: 'शेखर: एक जीवनी' आधुनिक हिंदी उपन्यास साहित्य की एक युग-प्रवर्तक और कालजयी मनोवैज्ञानिक कृति है, जिसकी रचना सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' ने की थी। यह उपन्यास मुख्य पात्र 'शेखर' के बाल्यकाल से लेकर युवावस्था तक के मानसिक विकास, पारिवारिक व सामाजिक रूढ़ियों के प्रति विद्रोह, स्वाधीनता संग्राम में जेल यात्रा और उसके भीतर उठने वाले दार्शनिक प्रश्नों (अहं, भय और स्वतंत्रता) का अत्यंत सूक्ष्म व कलात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करता है। फ्लैशबैक (पूर्वदीप्ति) शैली में लिखा गया यह उपन्यास हिंदी कथा साहित्य में व्यक्तिवादी चेतना और आधुनिक शिल्प का शिखर माना जाता है।
संदर्भ: स. ही. वात्स्यायन 'अज्ञेय' — 'शेखर: एक जीवनी', नेशनल पब्लिशिंग हाउस/राजकमल प्रकाशन; NCERT

प्र.4. किसी पारिस्थितिक तंत्र में जब दो भिन्न प्रजातियों के मध्य ऐसी अंत:क्रिया होती है जिसमें एक प्रजाति को हानि पहुँचती है और दूसरी प्रजाति पूरी तरह अप्रभावित (उदासीन) रहती है (जैसे बड़े वृक्ष की छाया में छोटे पौधों की वृद्धि रुकना या पेनिसिलियम कवक द्वारा जीवाणुओं को नष्ट करना), तो इस संबंध को क्या कहा जाता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: असहभोजिता (Amensalism)
व्याख्या: पारिस्थितिकी में 'असहभोजिता' (Amensalism) दो प्रजातियों के बीच एक ऐसी समष्टि अंत:क्रिया है, जिसे गणितीय रूप से (-, 0) द्वारा निरूपित किया जाता है — अर्थात इसमें एक प्रजाति को क्षति होती है जबकि दूसरी प्रजाति को न कोई लाभ होता है और न कोई हानि। इसका सर्वोत्तम जैविक उदाहरण 'प्रतिजीविता' (Antibiosis) है, जिसमें 'पेनिसिलियम' (Penicillium) नामक कवक पेनिसिलिन रसायन स्रावित कर आसपास के स्टैफिलोकोकस जीवाणुओं को नष्ट कर देता है, जबकि कवक को इससे कोई प्रत्यक्ष लाभ नहीं होता। इसी प्रकार अखरोट (Black Walnut) की जड़ों से निकलने वाला 'जुग्लोन' (Juglone) रसायन आसपास उगने वाले अन्य पौधों की वृद्धि को रोक देता है।
संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 13 "जीव और समष्टियाँ" (Organisms and Populations - Population Interactions), p. 232–237;

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उत्तर प्रदेश के मेरठ और सहारनपुर क्षेत्र में ब्रिटिश शासन को उखाड़ फेंकने वाले किस क्रांतिकारी कोतवाल ने 10 मई 1857 को मेरठ में विद्रोह की शुरुआत करने में निर्णायक भूमिका निभाई थी? (इतिहास)
उत्तर: धनसिंह गुर्जर (मेरठ के कोतवाल)
व्याख्या: अमर शहीद धनसिंह गुर्जर (1814–1857) 1857 के प्रथम स्वाधीनता संग्राम के प्रारंभिक सूत्रधारों में से एक थे। 10 मई 1857 को मेरठ छावनी में जब भारतीय सैनिकों ने चर्बी वाले कारतूसों के विरुद्ध विद्रोह किया, तो उस समय मेरठ सदर बाजार थाने के कोतवाल धनसिंह गुर्जर ने ब्रिटिश अधिकारियों के आदेश मानने से इंकार कर दिया। उन्होंने आसपास के गांवों से हजारों क्रांतिकारियों को मेरठ बुलाया, स्वयं जेल के ताले तोड़कर 839 कैदियों को मुक्त कराया और विद्रोहियों को शस्त्र उपलब्ध कराकर दिल्ली की ओर कूच करने में मदद की। बाद में ब्रिटिश सेना ने मेरठ पर पुन: कब्जा कर 4 जुलाई 1857 को उन्हें सार्वजनिक रूप से फांसी दे दी।
संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 5 "जब जनता बगावत करती है: 1857 और उसके बाद", p. 51–55;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. हिमालय पर्वत श्रृंखला के हिमाचल प्रदेश स्थित कुल्लू पहाड़ियों (रोहतांग दर्रे के निकट) से निकलकर पंजाब के हरिके नामक स्थान पर सतलुज नदी में मिलने वाली सिंधु नदी तंत्र की वह सहायक नदी कौन-सी है, जो पूरी तरह भारत में ही प्रवाहित होती है? (भूगोल)

उत्तर: ब्यास नदी (प्राचीन नाम: विपाशा)

व्याख्या: ब्यास नदी (वैदिक नाम: विपाशा) सिंधु नदी प्रणाली की एकमात्र ऐसी प्रमुख सहायक नदी है जिसका उद्गम और विलय दोनों भारतीय भूभाग के भीतर ही होते हैं। इसकी कुल लंबाई लगभग 470 किलोमीटर है। इसका उद्गम हिमाचल प्रदेश में रोहतांग दर्रे के समीप समुद्र तल से 4,000 मीटर की ऊंचाई पर स्थित 'ब्यास कुंड' से होता है। यह कुल्लू और मनाली की सुरम्य घाटियों से बहती हुई धौलाधार पर्वत श्रेणी को काती और लारजी में गहरे गॉर्ज बनाकर पार करती है तथा पंजाब के मैदानी भाग में प्रवेश कर कपूरथला के निकट 'हरिके पट्टन' में सतलुज नदी में मिल जाती है। हरिके बैराज से ही विश्व की सबसे लंबी नहर प्रणालियों में से एक 'इंदिरा गांधी नहर' निकाली गई है।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 3 "अपवाह", p. 18–20;

प्र.7. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत भारत के महान्यायवादी (Attorney General for India) की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है, जो भारत सरकार का सर्वोच्च विधि अधिकारी होता है? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 76 (Article 76)

व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-V में संघ की कार्यपालिका के अंतर्गत 'अनुच्छेद 76' देश के सर्वोच्च विधि अधिकारी अर्थात 'भारत के महान्यायवादी' (Attorney General for India) के पद का प्रावधान करता है। राष्ट्रपति उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त होने की योग्यता रखने वाले किसी व्यक्ति को महान्यायवादी नियुक्त करते हैं, जो राष्ट्रपति के प्रसादपर्यन्त पद धारण करता है। उनका मुख्य कर्तव्य भारत सरकार को विधिक विषयों पर सलाह देना और सर्वोच्च न्यायालय व उच्च न्यायालयों में केंद्र सरकार का पक्ष प्रस्तुत करना है। अनुच्छेद 88 के तहत उन्हें संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही और समितियों में भाग लेने व बोलने का अधिकार है, किंतु मतदान का अधिकार नहीं होता।

संदर्भ: Constitution of India, Part V, Article 76 & Article 88;

प्र.8. मानव रक्त का थक्का जमाने (Blood Clotting / Coagulation) में सहायता करने वाली रक्त कोशिकाएं (कणिकाएं) कौन-सी हैं और इस प्रक्रिया के लिए कौन-सा विटामिन अनिवार्य रूप से आवश्यक होता है? (विज्ञान)

उत्तर: प्लेटलेट्स (बिंबाणु / Platelets) तथा विटामिन K

व्याख्या: मानव रक्त के कोशिकीय घटकों में लाल रक्त कणिकाओं (RBC) और श्वेत रक्त कणिकाओं (WBC) के अतिरिक्त सूक्ष्म, रंगहीन और केंद्रक-रहित कणिकाएं पाई जाती हैं, जिन्हें 'प्लेटलेट्स' या 'बिंबाणु' (Thrombocytes) कहते हैं। जब शरीर के किसी अंग में चोट लगती है और रक्तस्राव प्रारंभ होता है, तो प्लेटलेट्स क्षतिग्रस्त स्थान पर एकत्र होकर 'थ्रॉम्बोप्लास्टिन' मुक्त करते हैं, जो कैल्शियम आयनों (Ca^{2+}) और 'विटामिन K' की उपस्थिति में रक्त के घुलनशील प्रोटीन 'फाइब्रिनोजेन' को अघुलनशील 'फाइब्रिन' के जाल में बदल देता है। इस जाल में रक्त कणिकाएं फंस जाती हैं और रक्त का थक्का बन जाता है, जिससे अत्यधिक रक्त हानि रुक जाती है।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 6 "जैव प्रक्रम" (प्लेटलेट्स द्वारा अनुरक्षण), p. 117–119; NCERT Biology Class 11, Ch 18 Body Fluids and Circulation (Coagulation of Blood);

प्र.9. उत्तर भारत की वह कौन-सी प्रमुख शास्त्रीय नृत्य शैली है, जिसका नाम 'कथा' कहने वाले चारणों से पड़ा है और जिसे अवध के नवाब वाजिद अली शाह के संरक्षण तथा जयपुर, लखनऊ व बनारस घरानों ने विश्वप्रसिद्ध बनाया? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: कथक (Kathak - उत्तर प्रदेश)

व्याख्या: 'कथक' उत्तर भारत (विशेषतः उत्तर प्रदेश) का एकमात्र शास्त्रीय नृत्य है, जिसकी उत्पत्ति प्राचीन मंदिरों में पौराणिक कथाओं का अभिनय और संगीत के साथ वाचन करने वाले 'कथाकारों' से हुई थी। भक्ति आंदोलन के दौरान राधा-कृष्ण की रासलीलाओं ने इसे नया स्वरूप दिया और मुगल दरबारों व अवध के नवाब वाजिद अली शाह के संरक्षण में इसमें जटिल पदचाप (फुटवर्क), तीव्र चक्कर (पिरोएट्स) और सूक्ष्म भाव-भंगिमाओं का विकास हुआ। कथक की मुख्य तीन शैलियाँ (घराने) हैं: 'लखनऊ घराना' (नजाकत और भाव प्रधान), 'जयपुर घराना' (वीर रस और लयकारी प्रधान) तथा 'बनारस घराना'। पं. बिरजू महाराज, लच्छू महाराज और सितारा देवी इसके महान पुरोधा रहे हैं।

संदर्भ: Sangeet Natak Akademi Official Dossier; CCRT (Centre for Cultural Resources and Training) India;

प्र.10. 1917 के चंपारण सत्याग्रह के दौरान महात्मा गांधी ने ग्रामीण बच्चों में स्वच्छता, अनुशासन और स्वावलंबन की शिक्षा देने हेतु चंपारण के किस गाँव में अपना पहला 'बुनियादी विद्यालय' (बेसिक स्कूल) स्थापित किया था? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: बड़हरवा लखनसेन (मोतिहारी/ढाका, चंपारण - 13 नवंबर 1917)

व्याख्या: 1917 में चंपारण सत्याग्रह के दौरान महात्मा गांधी ने अनुभव किया कि नीलहों के शोषण के साथ-साथ अशिक्षा और गंदगी चंपारण के किसानों के पिछड़ेपन का मुख्य कारण है। अतः उन्होंने 13 नवंबर 1917 को पूर्वी चंपारण के ढाका प्रखंड स्थित 'बड़हरवा लखनसेन' गाँव में अपना पहला बुनियादी विद्यालय स्थापित किया (जहाँ श्री शिवगुलाम लाल ने अपना घर विद्यालय हेतु दान दिया था)। इसके उपरांत उन्होंने 20 नवंबर 1917 को पश्चिम चंपारण के 'भितिहरवा' और फिर 'मधुबन' में बुनियादी विद्यालय खोले। इन विद्यालयों में बच्चों को अक्षर ज्ञान के साथ-साथ कताई-बुनाई, कृषि, सफाई और नैतिक चरित्र निर्माण की व्यावहारिक शिक्षा निःशुल्क दी जाती थी, जिसमें कस्तूरबा गांधी और महाराष्ट्र व गुजरात से आए स्वयंसेवी शिक्षकों ने अध्यापन किया।

संदर्भ: Dr. Rajendra Prasad — 'Champaran Mein Mahatma Gandhi';

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: नवंबर W4 — शीतलहर से खतरे एवं इससे बचाव के उपाय के बारे में जानकारी) के अनुसार शीतलहर के प्रकोप से प्रभावित व्यक्ति में 'हाइपोथर्मिया' (Hypothermia) के कौन-से प्रमुख प्रारंभिक लक्षण दिखाई देते हैं और बच्चों को ठंड से बचाने हेतु विद्यालय व समुदाय में किस प्रकार का व्यवहार अपनाना चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: शरीर का अनियंत्रित कांपना, त्वचा का पीला/ठंडा पड़ना, अस्पष्ट वाणी व सुस्ती; गर्म कपड़े, गर्म खुराक व ठंडे फर्श से बचाव

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'आपदा जोखिम न्यूनीकरण कैलेण्डर 2026' (नवंबर चतुर्थ शनिवार: शीतलहर से खतरे एवं इससे बचाव के उपाय के बारे में जानकारी) के अनुसार जब शरीर का तापमान सामान्य 37^\circ\text{C} (98.6^\circ\text{F}) से गिरकर 35^\circ\text{C} (95^\circ\text{F}) से नीचे चला जाता है, तो 'हाइपोथर्मिया' की आपात स्थिति उत्पन्न होती है:

1. हाइपोथर्मिया के प्रारंभिक लक्षण: व्यक्ति के शरीर में तेज कंपकंपी होना, हाथ-पैर सुन्न व ठंडे पड़ जाना, बोलने में जुबान लड़खड़ाना (Slurred Speech), अत्यधिक थकान, भ्रम की स्थिति या बेहोशी आना।
   - बचाव और सुरक्षित व्यवहार:गरम पोशाक व परतें: एक मोटे कपड़े के बजाय सूती और ऊनी कपड़ों की कई परतें (Layering) पहनें, क्योंकि परतों के बीच फंसी हवा शरीर की ऊष्मा को बाहर जाने से रोकती है; कान, नाक, सिर और पैरों को ऊनी टोपी, मफलर व मोजों से ढंककर रखें।
   - गीले कपड़ों व ठंडे फर्श से बचाव: ठंडे फर्श पर सीधे न बैठें (चटाई या दरी का उपयोग करें) तथा भीगे हुए कपड़ों को तुरंत बदलें।
   - गरम खुराक व पेय: शरीर की ऊर्जा बनाए रखने हेतु गर्म ताजा भोजन करें और अदरक की चाय, तुलसी का काढ़ा या हल्दी-दूध का सेवन करें।
   - व्यायाम से पूर्व वार्म-अप: सुबह की ठंड में भारी शारीरिक व्यायाम या खेल शुरू करने से पहले शरीर को अच्छी तरह वार्म-अप अवश्य करें। संदर्भ: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) आपदा जोखिम न्यूनीकरण कैलेण्डर 2026 — नवंबर चतुर्थ शनिवार ("शीतलहर से खतरे एवं इससे बचाव के उपाय के

प्र.12. दो नल 'A' और 'B' किसी खाली पानी की टंकी को क्रमशः 20 मिनट और 30 मिनट में भर सकते हैं। यदि दोनों नलों को एक साथ खोल दिया जाए, तो वह खाली टंकी कुल कितने मिनट में पूरी तरह भर जाएगी? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 12 मिनट

व्याख्या: यह 'नल और टंकी' (Pipes and Cisterns) की कार्यक्षमता और व्युत्क्रमानुपात पर आधारित एक मानक, तार्किक और प्रतियोगी परीक्षाओं का महत्वपूर्ण अंकगणितीय प्रश्न है। नल 'A' द्वारा 1 मिनट में भरा गया टंकी का भाग = 1 / 20। नल 'B' द्वारा 1 मिनट में भरा गया टंकी का भाग = 1 / 30। दोनों नलों (A + B) द्वारा मिलकर 1 मिनट में भरा गया कुल भाग: = 1/20 + 1/30 हरों (20 और 30) का ल.स. (LCM) = 60 = (3 + 2) / 60 = 5 / 60 अंश और हर को 5 से सरल करने पर: = 1 / 12 भाग। अतः संपूर्ण टंकी भरने में लगा कुल समय = 1 / (\text{1 मिनट में भरा भाग}) \text{कुल समय} = 12\text{ मिनट}। (वैकल्पिक संक्षिप्त सूत्र: कुल समय = (A \times B) / (A + B) = (20 \times 30) / (20 + 30) = 600 / 50 = 12\text{ मिनट})। अतः दोनों नलों को एक साथ खोलने पर वह खाली टंकी ठीक 12 मिनट में पूरी तरह भर जाएगी। संदर्भ: NCERT Mathematics Class 8, Ch 13 "प्रत्यक्ष और प्रतिलोम समानुपात", p. 204–209;

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण



अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Accolade (ऐकोलेड) = Honour (ऑनर) = सम्मान / पुरस्कार / प्रशस्ति
Antonym – Censure (सेन्शर) = निंदा / भर्त्सना

Bombastic (बॉम्बैस्टिक) = Pompous (पॉम्पस) = आडंबरपूर्ण / भारी-भरकम शब्दों वाला
Antonym – Modest (मॉडेस्ट) = सादा / विनम्र

Fractious (फ्रैक्शस) = Unruly (अनरूली) = झगड़ालू / उद्दंड / आसानी से नियंत्रित न होने वाला
Antonym – Compliant (कम्प्लायंट) = आज्ञाकारी / सहयोगी

Neophyte (नीओफाइट) = Novice (नॉविस) = नौसिखिया / नवशिक्षार्थी
Antonym – Veteran (वेटरन) = अनुभवी / दक्ष व्यक्ति

Vindicate (विन्डिकेट) = Justify (जस्टिफाय) = निर्दोष सिद्ध करना / सही ठहराना
Antonym – Incriminate (इनक्रिमिनेट) = दोषी ठहराना / अपराध में फँसाना



~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

1. Centre Clears Delimitation and Women's Reservation Constitutional Amendment Bills
हिन्दी अनुवाद: केंद्र सरकार ने परिसीमन और महिला आरक्षण से जुड़े संविधान संशोधन विधेयकों को मंजूरी दी।
केंद्र सरकार ने परिसीमन और महिला आरक्षण से जुड़े संविधान संशोधन विधेयकों को मंजूरी दे दी है। यह कदम लोकसभा और विधानसभा सीटों के पुनर्गठन तथा महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को लेकर चल रही बहस को नया मोड़ देगा।

2. Supreme Court Seeks Separate Warning Labels for High Salt, Sugar and Fat
हिन्दी अनुवाद: सुप्रीम कोर्ट ने उच्च नमक, चीनी और वसा वाले पैकेज्ड खाद्य पदार्थों पर अलग चेतावनी लेबल लगाने को कहा।
सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से उच्च नमक, चीनी और वसा वाले पैकेज्ड खाद्य उत्पादों पर अलग चेतावनी लेबल लगाने की योजना पेश करने को कहा है। यह निर्देश जनस्वास्थ्य, भोजन लेबलिंग और गैर-संचारी रोगों की रोकथाम से जुड़ा है।

3. Tamil Nadu Introduces 15 Days' Paternity Leave for Male Government Employees
हिन्दी अनुवाद: तमिलनाडु सरकारी पुरुष कर्मचारियों को 15 दिन की पितृत्व अवकाश देगा।
तमिलनाडु विवाहित पुरुष सरकारी कर्मचारियों के लिए 15 दिन की पितृत्व अवकाश की सुविधा लागू करने वाला पहला राज्य बना। यह नीति कार्यस्थल पर लैंगिक समानता और पालन-पोषण में पिता की भूमिका को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

4. Suspected Jaish-e-Mohammed Terrorist Arrested in Gujarat
हिन्दी अनुवाद: गुजरात में संदिग्ध जैश-ए-मोहम्मद आतंकवादी गिरफ्तार; बंदूक और गोला-बारूद बरामद।
गुजरात में सुरक्षा एजेंसियों ने एक संदिग्ध जैश-ए-मोहम्मद आतंकवादी को गिरफ्तार किया और उसके पास से बंदूक तथा गोला-बारूद बरामद किया। जांच एजेंसियाँ आरोपी के संपर्क और संभावित साजिश की जांच कर रही हैं।

5. States Allowed to Use UAPA Against Zakir Naik's Islamic Research Foundation
हिन्दी अनुवाद: जाकिर नाइक के इस्लामिक रिसर्च फाउंडेशन के खिलाफ राज्यों को UAPA कार्रवाई की अनुमति।
केंद्र सरकार ने राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों को जाकिर नाइक के नेतृत्व वाले प्रतिबंधित इस्लामिक रिसर्च फाउंडेशन (IRF) के खिलाफ गंभीर आतंक-रोधी कानून UAPA के तहत कार्रवाई करने की अनुमति दी है।

INTERNATIONAL NEWS

1. US Proposes 25% Tariff on Indian Goods; May Reduce to 17% After Trade Deal
हिन्दी अनुवाद: अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर 25% टैरिफ प्रस्तावित किया; द्विपक्षीय व्यापार समझौते के बाद इसे 17% तक घटाने का प्रावधान।
अमेरिका ने भारतीय आयातों पर 25% टैरिफ का प्रस्ताव रखा है, जिसमें द्विपक्षीय व्यापार समझौते होने पर दर घटाकर 17% करने का प्रावधान है। यह प्रस्ताव अल्पदाब श्रम और औद्योगिक अधिक्षमता से जुड़े दो Section 301 जांचों के बाद आया है।

2. Cairo Fuel Tanker Crash Kills at Least 31
हिन्दी अनुवाद: काहिरा के पास ईंधन टैंकर दुर्घटना में कम से कम 31 लोगों की मौत।
मिस्र के काहिरा के पास एक राजमार्ग पर ईंधन टैंकर की दुर्घटना के बाद भीषण आग में कम से कम 31 लोगों की मौत हो गई। राहत कार्य और घायलों का उपचार जारी है।

3. Bangkok Oil Refinery Fire Injures Several; Bangchak Shuts All Units
हिन्दी अनुवाद: बैंकॉक के तेल शोधन संयंत्र में भीषण आग; कई लोग घायल, सभी इकाइयाँ बंद।
थाईलैंड के बैंकॉक में एक तेल शोधन संयंत्र में लगी भीषण आग से कई लोग घायल हुए। बैंगचक कॉर्पोरेशन ने सुरक्षा के लिए अपनी सभी इकाइयाँ बंद करने का निर्णय लिया।

4. China Says India-China Border Situation Remains Generally Stable
हिन्दी अनुवाद: चीन ने कहा कि भारत-चीन सीमा की स्थिति सामान्य रूप से स्थिर है।
चीन ने कहा कि भारत-चीन सीमा पर स्थिति सामान्य रूप से स्थिर बनी हुई है। यह बयान दोनों देशों के बीच सैन्य संवाद और सीमा शांति से जुड़े चल रहे संवादों की पृष्ठभूमि में आया।

5. North Korea Vows to Expand Nuclear Arsenal
हिन्दी अनुवाद: उत्तर कोरिया ने अपने परमाणु शस्त्रागार का विस्तार करने की कसम खाई।
उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कूटनीतिक प्रयासों के बावजूद देश के परमाणु शस्त्रागार का विस्तार करने की प्रतिबद्धता जताई।

BIHAR NEWS

1. Newly Married Woman's Death Raises Questions in Bihar; Father Seeks Probe
हिन्दी अनुवाद: बिहार में नवविवाहिता की मौत पर सवाल; पिता ने जांच की माँग की।
बिहार में एक नवविवाहिता की संदिग्ध मौत के बाद उसके पिता ने गला दबाने और शव को पंखे से लटकाने के आरोप लगाए हैं। पुलिस जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

2. Bihar Train Cancellations Continue Until March 2027
हिन्दी अनुवाद: बिहार से गुजरने वाली तीन प्रमुख ट्रेनें मार्च 2027 तक रद्द।
बिहार से गुजरने वाली तीन मुख्य ट्रेनों का परिचालन मार्च 2027 तक रद्द रहेगा। रेलवे ने यह निर्णय परिचालन संबंधी कारणों से लिया है।

3. Bihar Stuns Delhi in Syed Mushtaq Ali Trophy
हिन्दी अनुवाद: सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बिहार ने दिल्ली को हराया।
सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026-27 में बिहार ने दिल्ली को 2 विकेट से हराया। दिल्ली के यश धुल की 59 गेंदों पर 125 रन की पारी के बावजूद बिहार ने रोमांचक जीत दर्ज की।

SPORTS NEWS

1. Mumbai Indians Reappoint Rohit Sharma as Captain
हिन्दी अनुवाद: मुंबई इंडियंस ने रोहित शर्मा को फिर कप्तान बनाया।
पाँच बार की IPL चैंपियन मुंबई इंडियंस ने आगामी सीजन के लिए रोहित शर्मा को एक बार फिर कप्तान बनाने की घोषणा की। फ्रेंचाइजी ने 27 नवम्बर को यह निर्णय जारी किया।

2. India and New Zealand Prepare for Second Test at Hagley Oval
हिन्दी अनुवाद: भारत और न्यूज़ीलैंड दूसरे टेस्ट की तैयारी में; सीरीज़ और WTC अंक दांव पर।
भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच दूसरा टेस्ट क्राइस्टचर्च के हैगले ओवल में खेला जाएगा। दोनों टीमों के लिए सीरीज़ के साथ-साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अंक भी महत्वपूर्ण हैं।

3. Vaibhav Sooryavanshi's 204* Creates List A Record
हिन्दी अनुवाद: वैभव सूर्यवंशी का 53 गेंदों पर 204* — लिस्ट-ए क्रिकेट में विश्व रिकॉर्ड।
15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट में UAE के खिलाफ 53 गेंदों पर अजेय 204 रन बनाए, जिसमें 28 छक्के शामिल थे। यह लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज़ दोहरा शतक का विश्व रिकॉर्ड है।



संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

📌 Current Affair of the Day
विषय: International Day for the Elimination of Child, Early and Forced Marriage
Q. 27 नवम्बर को मनाया जाने वाला यह अंतरराष्ट्रीय दिवस क्या है और इसका उद्देश्य क्या है?
उत्तर:
27 नवम्बर को बाल, प्रारंभिक एवं बलात् विवाह उन्मूलन हेतु अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 4 सितम्बर 2026 को प्रस्ताव A/RES/80/309 अपनाकर इस तिथि को आधिकारिक रूप से मनाने का निर्णय लिया।

अनुभाग-6

प्रेरक गतिविधि

अभिभावक- शिक्षक संगोष्ठी

सह सुरक्षित शनिवार विशेष





.....✍️

मनोज कुमार

प्रधानाध्यापक

रा.म.वि.वाल्मीकिनगर

बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

"माथा-पच्ची"

आज का सु-डू-कु

स्तर: विशेषज्ञ स्तर | भाग-43

सोचो... समझो... हल करो...

2					7		3	
	4				5			6
						1		2
3			2			6		7
	6		9				4	
					1			3
1					6			4
8	3		5					
		9	7					

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक 3×3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।

आज का विचार

"शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है, जिसका प्रयोग करके आप दुनिया बदल सकते हैं।"

— नेल्सन मंडेला

याद रखें

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

2	1	6	8	9	7	4	3	9
9	4	3	1	2	6	8	7	6
6	8	7	4	9	3	1	6	2
3	9	8	2	6	4	6	1	7
7	6	1	9	3	8	2	4	6
6	2	4	6	7	1	9	8	3
1	7	2	3	8	6	6	9	4
8	3	6	6	4	9	7	2	1
4	6	9	7	1	2	3	6	8

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

"डिकोड"

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।



श्रीमद्भगवद्गीता – अध्याय 12, श्लोक 20
ये तु धर्म्यामृतमिदं यथोक्तं पर्युपासते।
श्रद्दधाना मत्परमा भक्तास्तेऽतीव मे प्रियाः॥

सरल हिन्दी अर्थ:
जो मनुष्य इस ऊपर कहे गए धर्ममय अमृत (करुणा, समता, अहंकार-शून्यता और निस्वार्थता के सिद्धांतों) का निष्ठापूर्वक पालन करते हैं, और पूर्ण श्रद्धा के साथ मुझे (सत्य और उच्चतर आदर्शों को) ही परम लक्ष्य मानकर निरंतर साधना में लगे रहते हैं—वे भक्त मुझे अत्यंत प्रिय हैं।
आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ
अध्याय 12 के इस अंतिम श्लोक में श्रीकृष्ण पूरे अध्याय में बताए गए सद्गुणों को "धर्म्यामृतम्" (जीवन को अमर और निर्मल बनाने वाला व्यावहारिक धर्म) की संज्ञा देते हैं। यह श्लोक केवल सिद्धांतों को जानने और उन्हें जीवन में उतारने के बीच के अंतर को स्पष्ट करता है:

- यथोक्तं पर्युपासते (शास्त्र से आचरण तक की यात्रा): गीता के श्लोकों को केवल पढ़ना या उनकी प्रशंसा करना पर्याप्त नहीं है। 'पर्युपासते' का अर्थ है—उन्हें अपने दैनिक व्यवहार, निर्णयों और संवादों में उतारना। जब करुणा, क्षमा, संतोष और समता केवल किताबों के शब्द न रहकर हमारी आदत बन जाते हैं, तभी वे अमृत के समान फल देते हैं।
- श्रद्दधाना मत्परमाः (अटूट विश्वास और धैर्य): नैतिकता और ईमानदारी के मार्ग पर चलने में शुरुआती दौर में अकेलापन या कठिनाई महसूस हो सकती है। ऐसे समय में यह 'श्रद्धा' (गहरा विश्वास) ही व्यक्ति को थामे रखती है कि सत्य और धर्म का मार्ग कभी व्यर्थ नहीं जाता।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-8

"अच्छी ख़बर"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।



चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम पायदान पर बैठे छात्र तक पहुंचता है।

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं।ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की।जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन



सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, लत्वी का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम रिन्टू कुमार, सौरभ कुमार, राय, मनीज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।


प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

सप्तऋषि मॉडल से सर्वांगीण

संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यार्थियों के मानसिक, सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

पूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर:

पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा:

'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त



"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अनुभाग-9

मराठी साहित्य के प्रकाश स्तंभ और समता के संत: संत ज्ञानेश्वर

प्यारे बच्चों, क्या आपने कभी किसी ऐसे बालक के बारे में सुना है, जिसने मात्र सोलह वर्ष की छोटी सी उम्र में संस्कृत की कठिन भगवद्गीता का इतना सरल और मधुर मराठी भाषा में अनुवाद कर दिया हो कि आम किसान, मजदूर और बच्चे भी उसे आसानी से समझ सकें? आज हम महाराष्ट्र के भक्ति आंदोलन और वारकरी संप्रदाय के महान आधारस्तंभ, अद्भुत योगी और कवि संत ज्ञानेश्वर (जिन्हें आदर से 'माउली' अर्थात माँ भी कहा जाता है) की प्रेरक दास्तान सुनेंगे।

संत ज्ञानेश्वर का जन्म 15 अगस्त 1275 को (श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर) महाराष्ट्र के पैठण के पास 'आपेगांव' के एक अत्यंत धर्मपरायण ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम श्री विट्ठलपंत कुलकर्णी और माता का नाम श्रीमती रुक्मिणीबाई था। ज्ञानेश्वर जी चार भाई-बहन थे—बड़े भाई निवृत्तिनाथ, स्वयं ज्ञानेश्वर, छोटे भाई सोपानदेव और सबसे छोटी बहन मुक्ताबाई।

नन्हे ज्ञानेश्वर का बचपन अत्यंत कठिन और संघर्षपूर्ण रहा। उनके पिता विट्ठलपंत जी ने पहले संन्यास ले लिया था, किंतु अपने गुरु की आज्ञा से वे पुनः गृहस्थ जीवन में लौटे। उस दौर के कट्टरपंथी समाज ने इसे धर्म के विरुद्ध माना और पूरे परिवार का सामाजिक बहिष्कार कर दिया। गाँव के लोग उन मासूम बच्चों का अपमान करते और उन्हें कुएँ से पानी तक नहीं भरने देते थे। माता-पिता ने समाज के तानों से दुखी होकर प्रायश्चित स्वरूप शरीर त्याग दिया। अब ये चारों अनाथ भाई-बहन बिल्कुल अकेले रह गए।

अपने बड़े भाई निवृत्तिनाथ को ही ज्ञानेश्वर ने अपना गुरु माना। समाज के घोर अपमान और उपेक्षा को सहकर भी नन्हे ज्ञानेश्वर के मन में किसी के प्रति कभी क्रोध या नफरत नहीं आई; वे सभी जीवों से माँ की तरह प्रेम करते थे। पैठण के विद्वानों ने जब उनकी परीक्षा ली, तो अपनी आध्यात्मिक शक्ति और निर्मल प्रेम से ज्ञानेश्वर ने एक भैंसे के मुख से वेद मंत्र बुलवाकर रूढ़िवादियों का अहंकार तोड़ दिया।

उस समय धर्म और अध्यात्म के सभी ग्रंथ केवल संस्कृत भाषा में थे, जिसे साधारण जनता नहीं समझ पाती थी। तब मात्र सोलह वर्ष की आयु में (1290 ई. में) नेवासा नामक स्थान पर ज्ञानेश्वर जी ने भगवद्गीता पर 'भावार्थ दीपिका' नामक टीका की रचना की, जो पूरे विश्व में 'ज्ञानेश्वरी' के नाम से प्रसिद्ध हुई। उन्होंने कहा कि जैसे अमृत सबके लिए होता है, वैसे ही ज्ञान और भक्ति भी बिना किसी जाति या ऊँच-नीच के भेदभाव के हर इंसान का अधिकार है। उन्होंने 'अमृतानुभव' और अनेक मधुर अभंगों की भी रचना की।

संत नामदेव जी के साथ मिलकर उन्होंने पूरे महाराष्ट्र में समता, प्रेम और भक्ति की अलख जगाई। उन्होंने विश्व के कल्याण के लिए प्रसिद्ध 'पसायदान' (प्रार्थना) की रचना की, जिसमें उन्होंने ईश्वर से वरदान माँगा कि संसार के सभी प्राणियों के मन से दुष्टता समाप्त हो, सबमें परस्पर प्रेम बढ़े और हर जीव सुखी रहे। मात्र इक्कीस वर्ष की अल्पायु में, 25 अक्टूबर 1296 को पुणे के पास आलंदी में उन्होंने जीवित समाधि ले ली। प्यारे बच्चों, संत ज्ञानेश्वर का पावन जीवन हमें सिखाता है कि कठिन से कठिन परिस्थितियों और अपमान के बीच भी अपने मन की शांति व प्रेम को मत खोओ, ज्ञान को सबके साथ बाँटो और पूरी सृष्टि के कल्याण की कामना करो।

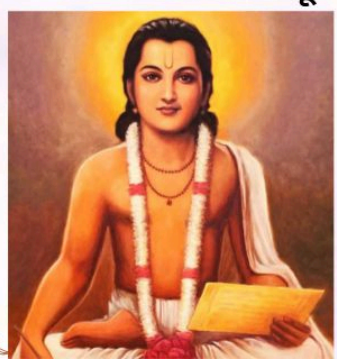

.....✍️
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2



Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।



संपादक:-
शैलेन्द्र कुमार
'प्रधान शिक्षक'
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)
📱 -9939671700

आज का विचार:

सत्य और सद्गुणों की चर्चा करना पहला कदम है, लेकिन उन्हें अपनी दिनचर्या का स्वाभाविक हिस्सा बना लेना ही जीवन की सार्थकता है। सिद्धांतों को आचरण में उतारिए; यही अमृत आपके जीवन को हर प्रकार की अशांति से मुक्त कर देगा।

+917250818080
teachersofbihar@gmail.com
+917250818080
www.teachersofbihar.org